GOVERNMENT OF INDIA
MINISTRY OF CONSUMER AFFAIRS, FOOD & PUBLIC DISTRIBUTION
DEPARTMENT OF FOOD AND PUBLIC DISTRIBUTION

RAJYA SABHA
STARRED QUESTION NO.68
TO BE ANSWERED ON 22ND JULY, 2022

FOODGRAINS STOCK IN THE COUNTRY

68. SHRI JAWHAR SIRCAR:

Will the Minister of CONSUMER AFFAIRS, FOOD AND PUBLIC DISTRIBUTION be pleased to state:

(a) whether it is a fact that while the Central pool is currently above the foodgrain stocking norms, wheat procurement is unsatisfactory and country does not have sufficient foodgrains to repeat the annual average of 376 LMT, distributed under PMGKAY in the last two COVID-affected years;

(b) the reasons for first permitting and publicising wheat exports and then prohibiting it; and

(c) the details of long term projection or outlook of cereal production for MSP and procurement, stock management, distribution for PDS, welfare and pandemic-related schemes and India's export possibilities?

A N S W E R
THE MINISTER OF CONSUMER AFFAIRS, FOOD AND PUBLIC DISTRIBUTION
(SHRI PIYUSH GOYAL)

(a) to (c): A statement is laid on the Table of the House.

STATEMENT REFERRED TO IN REPLY TO PARTS (a) to (c) OF THE STARRED QUESTION NO. *68 FOR ANSWER ON 22.07.2022 IN THE RAJYA SABHA.

(a) to (c): The Central Pool stock of wheat as on 1st of July 2022 is well above the foodgrains stocking norms. As on 1st of July 2022, Food Corporation of India (FCI) and State Govt. agencies have 285.10 LMT of wheat stock under Central Pool against the stocking norms of 275. 80 LMT.

During current season, procurement of wheat has been about 188 LMT and it is expected that even after meeting out the requirement of Pradhan Mantri Garib Kalyan Anna Yojana (PMGKAY) (upto September, 2022) and Public Distribution System (PDS), the projected wheat stock as on 01.04.2023 would be 134 LMT against the stocking norms of 74.6 LMT.

Wheat production estimate was revised to lower side due to early summer this year. Also, there was a rise in global prices of wheat due to various geo-political reasons. The Government of India is committed to providing for the food security requirements of India first and also support the neighbouring and other vulnerable developing countries which are adversely affected by the sudden changes in the global market for wheat and are unable to access adequate wheat supplies. Therefore, the Central Government amended the export policy of wheat from 'Free' to 'Prohibited'.

As per the available stock and further projections upto April 2023, the country has enough stock of foodgrains to cater the requirement of Public Distribution System (PDS) & Other Welfare Scheme and to meet out any other eventuality.

*****

भारत सरकार

उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय

खाद्य और सार्वजनिक वितरण विभाग

राज्य सभा

तारांकित प्रश्न संख्या 68

22 जुलाई, 2022 के लिए प्रश्न

देश में खाद्यान्न भंडार

***68. श्री जवाहर सरकारः**

क्या **उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या यह सच है कि वर्तमान में जहां केंद्रीय पूल खाद्यान्न भंडारण मानदंड से ऊपर है, वहीं गेहूं की खरीद असंतोषजनक है और देश में पिछले दो कोविड-प्रभावित वर्षों में पीएमजीकेएवाई के तहत वितरित किए गए 376 एलएमटी के वार्षिक औसत को दोहराने के लिए पर्याप्त मात्रा में खाद्यान्न उपलब्ध नहीं है;

(ख) पहले गेहूं के निर्यात को अनुमति देने एवं उसका प्रचार करने और फिर उसे प्रतिबंधित करने के क्या कारण हैं; और

(ग) न्यूनतम समर्थन मूल्य के लिए अनाज उत्पादन के दीर्घकालिक अनुमान अथवा दृष्टिकोण और खरीद, स्टॉक प्रबंधन, पीडीएस के लिए वितरण, कल्याण और महामारी से संबंधित योजनाओं और भारत की निर्यात संभावनाओं का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्री

(श्री पीयूष गोयल)

(क) से (ग): विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

*****

राज्य सभा में दिनांक 22 जुलाई, 2022 को उत्तरार्थ तारांकित प्रश्न सं. 68 के भाग (क) से (ग) के उत्तर में उल्लिखित विवरण

(क) से (ग): दिनांक 01 जुलाई, 2022 की स्थिति के अनुसार गेहूं का केंद्रीय पूल का स्टॉक खाद्यान्नों के स्टाकिंग मानकों से काफी अधिक है। दिनांक 01 जुलाई, 2022 की स्थिति के अनुसार, भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) तथा राज्य एजेंसियों के पास 275.80 लाख टन के स्टॉकिंग मानकों की तुलना में केंद्रीय पूल के अंतर्गत 285.10 लाख टन गेहूं का भंडार है।

वर्तमान मौसम के दौरान लगभग 188 लाख टन गेहूं की खरीद की गई है और आशा है कि प्रधान मंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना (पीएमजीकेएवाई) (सितम्बर, 2022 तक) तथा सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) की आवश्यकता को पूरा करने के बाद भी दिनांक 01.04.2023 की स्थिति के अनुसार गेहूं का अनुमानित स्टॉक 74.6 लाख टन के स्टॉकिंग मानकों की तुलना में 134 लाख टन होगा।

इस वर्ष समय से पूर्व ग्रीष्मकाल शुरु होने के कारण गेहूं के उत्पादन अनुमानों को संशोधित करके कम किया गया था। इसके आलावा, विभिन्न भू-राजनीतिक कारणों की वजह से गेहूं के वैश्विक मूल्य में बढ़ोतरी हुई थी। भारत सरकार भारत की खाद्य सुरक्षा पूरा करने हेतु प्रतिबद्ध है, और उन पड़ोसी तथा अन्य जोखिम वाले विकासशील राष्ट्रों को सहायता प्रदान करती है, जो गेहूं के वैश्विक बाजार में आए औचक परिवर्तनों से प्रतिकूल रूप से प्रभावित हैं और पर्याप्त गेहूं की आपूर्ति तक पहुंच बनाने में असमर्थ हैं। इसलिए केंद्र सरकार ने गेहूं की निर्यात नीति को 'मुक्त' से 'प्रतिषिद्ध' में संशोधित किया है।

उपलब्ध स्टॉक और अप्रैल, 2023 तक अगले अनुमानों के अनुसार, देश में सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) और अन्य कल्याणकारी स्कीमों की आवश्यकताओं तथा किसी अन्य संभाव्यता को पूरा करने हेतु खाद्यान्नों का पर्याप्त स्टॉक है।

******

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Are there any supplementaries?

SHRI PIYUSH GOYAL: Sir, on Q. No. 68,...*(Interruptions)*... I think it is a very important subject. ...*(Interruptions)*... This is regarding the wheat stocks of the country. आज पूरे देश और पूरी दुनिया में अनाज की शॉर्टेज है।...(**व्यवधान**)... पूरे देश और पूरी दुनिया में फूड इनसिक्योरिटी की चिंता हो रही है।...(**व्यवधान**)... ऐसी परिस्थिति में जब पूरी दुनिया में हाहाकार मचा हुआ है, भारत एकमात्र ऐसा देश है, जिसने बड़ा संतुलन रखा है। ...(**व्यवधान**)... ऐसे में भी अगर हमारे विपक्ष के मित्र तैयार नहीं हैं कि इस विषय पर चर्चा हो, तो यह एकदम बेबुनियाद ...(**व्यवधान**)...

श्री उपसभापति : माननीय मंत्री जी, प्लीज़, ...(**व्यवधान**)... आपका जवाब ...(**व्यवधान**)...

श्री पीयूष गोयल : सर, ये जिस प्रकार से बेबुनियाद ...(**व्यवधान**)... यह हम सबका भी अधिकार है। ...(**व्यवधान**)... जब सरकार चर्चा के लिए तैयार है, ...(**व्यवधान**)... इनसे कहिए कि ये लोग अपनी जगह पर जाएं। ...(**व्यवधान**)... हमारी माननीया वित्त मंत्री जी को अभी कोविड हो रहा है। ...(**व्यवधान**)... कोविड के बाद वे यहां आ कर ...(**व्यवधान**)...

श्री उपसभापति : डा. अशोक बाजपेयी। बाजपेयी जी, आप इसी मुद्दे पर स्पेसिफिक सवाल पूछें। ...(**व्यवधान**)... That is regarding foodgrains stock in the country. ...*(Interruptions)*...

डा. अशोक बाजपेयी : माननीय उपसभापति जी, मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से जानना चाहूंगा कि कोविड जैसी भयंकर महामारी में ...(**व्यवधान**)... लगातार दो वर्ष तक देश की 80 करोड़ जनता को निशुल्क राशन उपलब्ध कराने के बाद, आज भी सेंट्रल पूल में 285 लाख मीट्रिक टन खाद्यान्न उपलब्ध है, यह अपने आप में एक कीर्तिमान है। ...(**व्यवधान**)... मैं माननीय मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि उत्तर प्रदेश जैसे बड़े राज्य में 2022-23 में सेंट्रल पूल के लिए गेहूं की खरीद का लक्ष्य क्या है? ...(**व्यवधान**)... क्या विभिन्न राज्यों द्वारा, सेंट्रल पूल में उनका जो निर्धारित कोटा है, वह पूरा किया गया है या नहीं, कृपया यह बताने की कृपा करें?

श्री पीयूष गोयल : माननीय उपसभापति महोदय, इस वर्ष बहुत गर्मी के कारण काफी इलाकों में गेहूं के उत्पादन में कमी आई है। ...(**व्यवधान**)... इसी के साथ-साथ दाम अच्छे होने के कारण हमारे कई किसान भाई-बहनों को अच्छे दामों पर, एमएसपी से भी ऊपर, अपने उत्पाद को बेचने का मौका मिला। ...(**व्यवधान**)... सरकार ने उनको पूरी छूट दी। ...(**व्यवधान**)... जहां-जहां किसानों ने सरकार को अनाज लेने के लिए कहा, हमने देशभर से पूरा अनाज उठाया। ...(**व्यवधान**)... उत्तर प्रदेश में भी सब जगह प्रोक्योरमेंट सेंटर्स चले। ...(**व्यवधान**)... जहां-जहां भी किसानों ने अनाज दिया, सरकार ने उसको उठाया। ...(**व्यवधान**)... और जहां-जहां किसानों को मार्केट में एमएसपी से ज्यादा दाम मिले, वहां उन्होंने अपना अनाज मार्केट में दिया। ...(**व्यवधान**)... इस परिस्थिति के बावजूद आज 275 लाख टन अनाज सरकार के पास है। ...(**व्यवधान**)... यह इस

देश के लिए गर्व की बात है कि हमारे अन्नदाताओं ने हमें फूड सिक्योरिटी दी है। ...(**व्यवधान**)... मुझे लगता है कि इसके लिए हम सभी को हमारे किसानों को, हमारे अन्नदाताओं को धन्यवाद देना चाहिए। ...(**व्यवधान**)... इसी के लिए हमारे प्रधान मंत्री जी ने पीएम किसान योजना ला कर उनको मानदंड भी दिया है। ...(**व्यवधान**)... लेकिन जिस प्रकार का व्यवहार हमारे विपक्ष के साथी कर रहे हैं, सर, मेजॉरिटी ऑफ दि हाउस आज इस पर चर्चा चाहता है, सरकार भी इस पर चर्चा चाहती है। ...(**व्यवधान**).. यह एक गम्भीर विषय है।

अभी कोविड-19 का जिक्र हुआ। हमारी माननीया वित्त मंत्री जी को कोविड हुआ है ...(**व्यवधान**).. कोविड के टाइम में भी इस पर व्यापक चर्चा हो, वे इनकी बातों को सुनना चाहती हैं, लेकिन जिस प्रकार से ये व्यवहार कर रहे हैं, ऐसे में कैसे चर्चा हो सकती है? ...(**व्यवधान**)..

श्री उपसभापति : प्लीज़, आप अपनी-अपनी सीट पर जाएं, माननीय एलओपी कुछ कहना चाहते हैं। ...(**व्यवधान**)..यदि आप वैल में खड़े होकर कुछ कहेंगे तो फिर आप माननीय एलओपी को बोलने नहीं देंगे, आप सभी लोग अपनी सीट्स पर जाएं, माननीय एलओपी कुछ बोलना चाहते हैं, आप सभी लोग अपनी सीट्स पर जाएं, तभी मैं उन्हें बोलने की इजाज़त दूंगा। ...(**व्यवधान**).. माननीय एलओपी कुछ कहना चाहते हैं, आप सभी लोग अपनी सीट्स पर जाइये, मैं उन्हें बोलने की इजाज़त दे रहा हूं। ...(**व्यवधान**).. यदि आप वैल में खड़े रहेंगे, तो मैं उन्हें बोलने की इजाज़त नहीं दूंगा। ...(**व्यवधान**).. आप वैल में खड़े रहेंगे तो मैं उन्हें इजाज़त नहीं दूंगा, प्लीज़, आप अपनी-अपनी सीट पर जाएं, Mr. John Brittas, this is not your seat. *...(Interruptions)...* Please, seats are specified. *...(Interruptions)...* There are very clear indications and rulings for it. *...(Interruptions)...* Please... *...(Interruptions)...* प्लीज़, बीच में खड़े न हों, आप अपनी सीट्स पर बैठ जाएं, माननीय एलओपी बोलना चाहते हैं, प्लीज़, आप अपनी सीट्स पर जाएं। ...(**व्यवधान**).. माननीय एलओपी।...(**व्यवधान**).. आप शोर न करें, माननीय एलओपी को बोलने दें, क्या आप उन्हें बोलने नहीं देना चाहते हैं? यदि कोई बोलेगा या कमेन्ट करेगा तो फिर दिक्कत होगी। प्लीज़, आप एलओपी को बोलने दें।

विपक्ष के नेता (**श्री मल्लिकार्जुन खरगे**) : डिप्टी चेयरमैन साहब, हम पिछले पांच दिनों से पूरी कोशिश कर रहे हैं कि जनता की ...(**व्यवधान**)..

श्री उपसभापति : प्लीज़, आप बैठिये।

श्री मल्लिकार्जुन खरगे : हम जनता की समस्याओं को इस सदन के सामने रखना चाहते हैं, हम गड़बड़ करना नहीं चाहते हैं।...(**व्यवधान**)..

श्री उपसभापति : कृपया आपस में बात न करें, माननीय एलओपी को बोलने दें।...(**व्यवधान**).. नो प्लीज़, आप विषय पर बात करिये। ...(**व्यवधान**).. मैं सबको कह रहा हूं। ...(**व्यवधान**)..

श्री मल्लिकार्जुन खरगे : मैं बड़ी नम्रता के साथ ...(**व्यवधान**).. एक मिनट सुनिये, हम बड़ी नम्रता के साथ आपसे अपील करते हैं कि हम कोई दूसरी चीज आपसे नहीं मांग रहे हैं, रूल 267 के तहत ही ...

श्री उपसभापति : माननीय एलओपी साहब, जिस पर चेयरमैन साहब ने सुबह रूलिंग दे दी है, मैं नहीं दे सकता, आप जानते हैं कि चेयरमैन साहब ने इस पर स्थिति स्पष्ट कर दी है।...(**व्यवधान**)..

श्री मल्लिकार्जुन खरगे : आप मुझे सेन्टेन्स तो कम्प्लीट करने दीजिए।

श्री उपसभापति : चेयरमैन साहब ने रूल 267 के बारे में स्थिति स्पष्ट कर दी है। अगर आप रूल 267 के तहत यह मामला उठाना चाहते हैं, तो मैं उसकी इजाज़त नहीं दे सकता।

श्री मल्लिकार्जुन खरगे : आप इजाज़त दीजिए या मत दीजिए, लेकिन हम यह चाहते थे कि रूल 267 में चर्चा हो और आपने बिज़नेस एडवायज़री कमेटी में यह कहा कि रुल 176 के तहत हम इसे चर्चा में ले सकते हैं, लेकिन आप रूल 267 और रूल 176 का फर्क तो जानते ही हैं। यह फर्क इसीलिए है कि रूल 267 में सारे बिज़नेस को स्टॉप करके...

श्री उपसभापति : माननीय चेयरमैन साहब ने इस पर इंस्ट्रक्शंस दे दी हैं, इसमें मैं कुछ नहीं कर सकता, उनका फाइनल डिसीज़न है। ...(**व्यवधान**)..

श्री पीयूष गोयल : सर, हम इस पर चर्चा के लिए तैयार हैं, सरकार इस पर चर्चा चाहती है, लेकिन हमारी वित्त मंत्री जी को कोविड हुआ है।...(**व्यवधान**)..

श्री उपसभापति : आप दोनों इस पर चर्चा चाहते हैं, तो आप तय कर लीजिए, चेयरमैन साहब ने कहा है कि पक्ष और विपक्ष आपस में बैठकर इस पर चर्चा तय कर लीजिए, इसमें चेयर का कोई हाथ नहीं है। ...(**व्यवधान**)..

श्री पीयूष गोयल : अगर विपक्ष तैयार है, तो हम भी तैयार हैं। इस पर चर्चा हो और ...(**व्यवधान**)..

श्री उपसभापति : मैं आप सबसे आग्रह करता हूं कि आप सभी बैठ जाइये और दूसरे माननीय सदस्यों को बोलने दीजिए, प्लीज़। ...(**व्यवधान**).. प्लीज़, आप आपस में बात न करें। मैं अगले क्वेश्चन को लेता हूं। ...(**व्यवधान**)..श्री बिनोय विस्वम जी, ...(**व्यवधान**).. क्वेश्चन नम्बर 69....(**व्यवधान**).. प्रश्न संख्या 69. श्री बिनोय विस्वम जी, ...(व्यवधान)..Not present. ...

**69. [The questioner was not present.]*